चित्रकूट-पुलिस

(1). "मिशन शक्ति फेज-5.0: का द्वितीय चरण महिलाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन की नई पहल — जनपद चित्रकूट में महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वालंबन, को समर्पित पुलिस अधीक्षक चित्रकूट श्री अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की एण्टीरोमियों टीम द्वारा "मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा हेल्पलाइन नम्बरों व कानूनी प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।
इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करना है-
1. जन-जागरूकता एवं शिकायत निस्तारण, स्कूल/कॉलेज, वर्किंग वूमेन हॉस्टल में जागरूकता कार्यक्रम, निम्न आय वर्ग बस्तियों, गांवों, वार्डों, मोहल्लों में चौपाल कार्यक्रम प्रमुख बाजारों, कस्बों व चौराहों पर जागरूकता व शिकायत निस्तारण।
2.महिला बीट पुलिस की भूमिका, प्रत्येक थाना क्षेत्र की महिला बीट पुलिस द्वारा जन-जागरूकता, साइबर अपराध से बचाव एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी, महिला समस्याओं का त्वरित निस्तारण।
3.बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण, गुड टच/बैड टच की जानकारी।
महिला/बालिकाओं को सुरक्षा सम्बन्धित सेवाएँ
1076 – मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1090 – वीमेन पावर लाइन
181 – वीमेन हेल्पलाइन
112 – पुलिस आपातकालीन सेवा
102 – गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं हेतु एम्बुलेंस
108 – सामान्य एम्बुलेंस सेवा
1098 – चाइल्ड लाइन
101 – अग्निशमन सेवा
1930 – साइबर हेल्पलाइन व www.cybercrime.gov.in के बारे में जानकारियां दी गई।
इस दौरान उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं को अवगत कराया गया कि सभी थानों में महिलाओ की सुरक्षा/सहायता हेतु एक महिला हेल्पडेस्क बनाया गया है, जहाँ पर महिला पुलिसकर्मी द्वारा महिलाओं की शिकायत सुनी जाती है तथा समय से उनका निस्तारण किया जाता है। इसके साथ ही मौजूद महिलाओं/बालिकाओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी चलायी जा रही हेल्पलाइन नम्बरों के सम्बन्ध में पंपलेट वितरित करते हुए विस्तार से जानकारी देने के साथ ही सभी महिलाओं/बालिकाओं को हेल्पलाइन नम्बर का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु तथा महिलाओ को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में कार्य करने/शिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रेरित किया गया तथा सोशल मीडिया पर अपनी प्राइवेसी रखते हुये उसका प्रयोग करने के लिये कहा गया। इसी क्रम में महिलाओं/बालिकाओ को जनपद में गठित "एंटी रोमियो स्क्वायड" टीम के बारे में अवगत कराया गया तथा बताया गया कि सादे वस्त्रों में तथा प्राइवेट वाहनों से सार्वजनिक स्थलों, स्कूल, कालेज व कोचिंग संस्थान के आसपास व ऐसे स्थान जहाँ पर महिलाओ एवं बालिकाओ का अधिकतर आवागमन होता है उनको भौतिक रुप से चिन्हित कर शोहदो/मनचलो के द्वारा Eve Teasing इत्यादि आपत्तिजनक हरकतो को रोकने के उद्देश्य से सघन चेकिंग कर लोगो से पूछताछ की जाती है व अनावश्यक रुप से मौजूद शोहदों/मनचलो को हिदायत/कार्यवाही की जाती।

(2). मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में आज 'चित्रकूट गौरव दिवस' एवं 'चैत्र रामनवमी' के शुभ अवसर पर जनपद प्रशासन द्वारा भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अशोक जाटव, जिलाधिकारी श्री पुलकित गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अरुण कुमार सिंह, पूर्व सांसद श्री भैरव प्रसाद मिश्रा, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री महेंद्र कोटार्य, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक चित्रकूट बांदा, श्री पंकज अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री अरुण कुमार, नगरपालिका अध्यक्ष श्री नरेंद्र गुप्ता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती राजेश्वरी द्विवेदी, जिला महामंत्री डा अश्विनी अवस्थी, नगर महाअध्यक्ष रवि गुप्ता व अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में पवित्र रामघाट पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस महापर्व पर रामघाट को लगभग 22 लाख दीपों की माला से सुसज्जित किया गया। दीपों की इस स्वर्णिम आभा ने संपूर्ण परिक्षेत्र को आध्यात्मिक एवं दिव्य ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

दीपदान के साथ-साथ स्थानीय एवं लोक कलाकारों द्वारा विभिन्न विधाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया गया।

बुंदेलखंड की पारंपरिक लोक कला 'दीवारी नृत्य' का सजीव चित्रण कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा।

घाट के प्रमुख स्थलों पर भव्य रंगोली बनाई गई तथा रात्रि में आकर्षक आतिशबाजी के माध्यम से उत्सव की भव्यता को द्विगुणित किया गया।

जिलाधिकारी श्री पुलकित गर्ग ने बताया कि यह आयोजन चित्रकूट की गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए थे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और सुव्यवस्थित दर्शन हेतु भारी पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की गई।
पुलिस अधीक्षक श्री अरुण कुमार सिंह ने अवगत कराया कि सुरक्षा के दृष्टिगत घाटों और संवेदनशील स्थलों पर विशेष सुरक्षा घेरा तैयार किया गया था, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में इस ऐतिहासिक दीपोत्सव के साक्षी बन सकें।
यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का समागम रहा, बल्कि इसने चित्रकूट के पर्यटन और सांस्कृतिक गौरव को एक नई ऊंचाई प्रदान की है।